SIGMA ACADEMY

INDIA'S SMART TEST SERIES PLATFORM FOR UPSC & UPPCS ASPIRANTS

{STRENGTHEN CONCEPTS, IMPROVE ACCURACY, BOOST RANK}

SOLUTION - HINDI

ANCIENT HISTORY

2600102

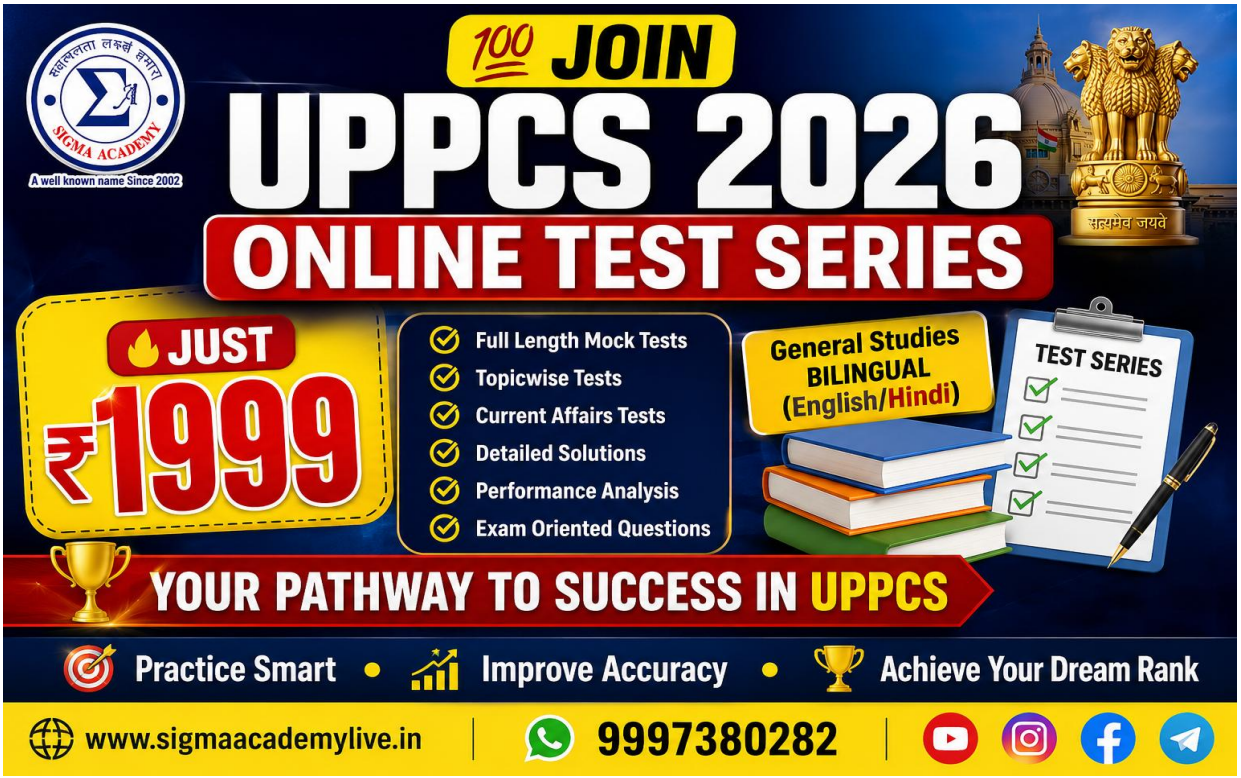

MCQ 1.

उत्तर: B

व्याख्या:

धौलावीरा अपने भव्य पत्थर को काटकर बनाए गए जलाशयों और उन्नत जल-संचयन प्रणालियों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

कालीबंगा की पूर्व-हड़प्पा परत से जुते हुए कृषि क्षेत्र का सबसे पहला स्पष्ट पुरातात्विक प्रमाण मिला है, जिसमें हल की रेखाएं दिखाई देती हैं।

पत्थर की पक्की सड़कें विशिष्ट रूप से मोहनजोदड़ो में खोजी गई थीं, लोथल में नहीं।

बड़े पैमाने पर मनके बनाने की इकाइयाँ और विशेष कार्यशालाएँ चन्हुदड़ो और लोथल में स्थित थीं, हड़प्पा में नहीं।

MCQ

उत्तर: A

व्याख्या:

राजसूय वैदिक राजाओं द्वारा पूर्ण शाही संप्रभुता का दावा करने के लिए किया जाने वाला एक भव्य शाही राज्याभिषेक समारोह था।

ऐतरेय ब्राह्मण में पुत्री को दुख का कारण बताया गया है, जबकि पुत्र को घर का रक्षक और दीपक मानकर उसकी प्रशंसा की गई है।

भगवान कृष्ण का सबसे पहली बार उल्लेख मुंडक उपनिषद में नहीं, बल्कि छान्दोग्य उपनिषद में ऋषि घोर अंगिरस के शिष्य के रूप में मिलता है।

MCQ 3.

उत्तर: B

व्याख्या:

भर्तृहरि एक महान दार्शनिक, कवि और व्याकरणविद् थे जो इसी काल के थे।

बाणभट्ट राजा हर्ष के मुख्य दरबारी कवि (आस्थान कवि) थे और उन्होंने प्रसिद्ध जीवनी 'हर्षचरित' और प्रेम कहानी 'कादंबरी' लिखी थी।

मतंग दिवाकर एक प्रसिद्ध दरबारी कवि थे, न कि व्याकरणविद्।

MCQ 4.

उत्तर: D

व्याख्या:

सिकंदर को सौम्भूति से सबसे कड़ा विरोध मिला था।

सिकंदर को राजा पोरस से हाइडेस्पीज के युद्ध (326 ईसा पूर्व) में सबसे भीषण और थका देने वाली लड़ाई का सामना करना पड़ा था।

राजा सौम्भूति ने बिना किसी बड़े विरोध के आत्मसमर्पण कर दिया था।

सिकंदर ने भारत में पूरे 19 महीने बिताए, ओहिंद में एक मध्यवर्ती सैन्य शिविर स्थापित किया, और मकरान रेगिस्तान के जमीनी रास्ते से अपनी कठिन वापसी की योजना बनाई।

MCQ 5.

उत्तर: B

व्याख्या:

कथन 3 गलत है: समाहर्ता राजस्व का मुख्य संग्रहकर्ता / खजाना मंत्री था, जबकि सन्निधाता मुख्य कोषाध्यक्ष था।

मौर्य प्रशासन में, प्रशास्तृ शाही आदेश लिखने वाला (या जेलों का महानिरीक्षक) था, न कि वन मंत्री।

प्रदेष्ट्री मुख्य रूप से आपराधिक अदालतों (कंटकशोधन) के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य करते थे। दीवानी अदालतों (धर्मस्थीय) के प्रमुख व्यावहारिक होते थे।

MCQ 6.

उत्तर: B

व्याख्या:

उसने पुल्ललुर के युद्ध में सातवाहन के पुलुमावी को हराया था।

पुलकेसिन द्वितीय ने पुल्ललुर के युद्ध में पल्लव वंश के महेंद्रवर्मन प्रथम को हराया था। सातवाहनों का पतन पुलकेसिन द्वितीय के 7वीं शताब्दी के शासनकाल से सदियों पहले ही हो चुका था।

ह्वेनसांग ने चालुक्य साम्राज्य का नाम मो-हो-ला-चा (महाराष्ट्र) दर्ज किया था।

पुलकेसिन द्वितीय ने नर्मदा नदी के तट पर सम्राट हर्ष के दक्षिणवर्ती विस्तार को रोकने के ठीक बाद 'परमेश्वर' और 'दक्षिणापथेश्वर' की उपाधियाँ प्राप्त की थीं।

MCQ 7.

उत्तर: C

व्याख्या:

प्रथम संगम थेनमादुराई में आयोजित किया गया था, जिसकी अध्यक्षता ऋषि अगस्त्य ने की थी।

द्वितीय संगम कपाटपुरम् में बुलाया गया था, जिसकी अध्यक्षता शुरुआत में अगस्त्य ने की थी और इसे उनके शिष्य तोल्काप्पियर (तोल्काप्पियम के लेखक) ने पूरा किया था।

तृतीय संगम उत्तरी मदुरै में आयोजित किया गया था, जिसकी अध्यक्षता नक्कीरर ने की थी। इसलिए, तीनों मिलान ऐतिहासिक रूप से सही हैं।

MCQ 8.

उत्तर: B

व्याख्या:

सदानीरा नदी (जिसकी पहचान आधुनिक गंडक नदी के रूप में की गई है) वज्जी/विदेह क्षेत्र की पश्चिमी सीमा के रूप में कार्य करती थी, जो इसे कोसल से अलग करती थी।

वज्जी आठ पारंपरिक कुलों (अट्ठकुल) से बना एक शक्तिशाली कुलीनतंत्रीय संघ था, जिसमें लिच्छवि और ज्ञातृक प्रमुख थे।

MCQ 9.

उत्तर: B

व्याख्या:

ह्वेनसांग ने 7वीं शताब्दी ईस्वी में राजा हर्षवर्धन के शासनकाल के दौरान भारत का दौरा किया और उनके दरबार में रहे।

फाहियान ने 5वीं शताब्दी ईस्वी की शुरुआत में चंद्रगुप्त द्वितीय के समृद्ध शासनकाल के दौरान भारत की यात्रा की थी।

इत्सिंग ने बहुत बाद में 7वीं शताब्दी ईस्वी के अंत में भारत की यात्रा की थी, जबकि कुमारगुप्त का शासनकाल 5वीं शताब्दी ईस्वी की शुरुआत में था।

MCQ 10.

उत्तर: B

व्याख्या:

तोंडी और मुसिरी चेर साम्राज्य के पश्चिमी तट के महत्वपूर्ण बंदरगाह थे।

पुहार (जिसे पूमपुहार या कावेरीपट्टिनम भी कहा जाता है) प्रारंभिक चोलों का प्रसिद्ध मुख्य बंदरगाह शहर था।

संगम साहित्य में सेल्लूर का उल्लेख वेलिर सरदारों या प्रारंभिक क्षेत्रीय शासकों से जुड़े एक प्रमुख शहर के रूप में मिलता है, जो पूर्वी क्षेत्र में स्थित था। यह पांड्य राजवंश का मुख्य बंदरगाह नहीं था; पांड्यों के मुख्य बंदरगाह कोरकई और सालियूर थे।

MCQ 11.

उत्तर: C

व्याख्या:

दशरथ मौर्य (अशोक के पोते) का बौद्ध ग्रंथों, वायु पुराण और विष्णु पुराण में प्रमुखता से उल्लेख है, लेकिन मत्स्य पुराण में विशेष रूप से उनका नाम छोड़ दिया गया है (शामिल नहीं है)।

वृहद्रथ अंतिम मौर्य शासक थे, जिनकी हत्या 185 ईसा पूर्व में पुष्यमित्र शुंग ने कर दी थी। सालिसुक को कुछ परंपराओं में जैन धर्म के संरक्षक ("जैन धर्म के अशोक") के रूप में मान्यता प्राप्त है। दशरथ ने नागार्जुन पहाड़ियों में पत्थर को काटकर बनाई गई गुफाओं को आजीवक संप्रदाय को प्रसिद्ध रूप से समर्पित किया था।

MCQ 12.

उत्तर: C

व्याख्या:

ऋग्वैदिक भजनों में कवच (वरमन) और हेलमेट (सिप्रा) जैसे सुरक्षात्मक अंगों का अक्सर उल्लेख मिलता है। इसके विपरीत, सिंधु घाटी सभ्यता की खुदाई में व्यावहारिक रूप से कोई विशेष बॉडी आर्मर या सैन्य हेलमेट नहीं मिला है।

सिंधु घाटी के लोग लोहे को नहीं जानते थे; उनका युग पूरी तरह से कांस्य/ताम्र युग था। भारत में लोहा बहुत बाद में उत्तर वैदिक काल (लगभग 1000 ईसा पूर्व) के दौरान आया था।

ऋग्वैदिक आर्यों की खानाबदोश और रथ चलाने वाली जीवनशैली में घोड़ा सबसे महत्वपूर्ण था। इसके विपरीत, सिंधु सभ्यता में घोड़े के अस्तित्व के रूप में सुरकोटदा में केवल कुछ विवादास्पद दांत/हड्डियां ही मिली हैं।

MCQ 13.

उत्तर: A

व्याख्या:

संगम काल का पांच गुना भूमि वर्गीकरण (ऐंथिनै) और उनके वास्तविक देवता इस प्रकार हैं:

कुरिंजी (पहाड़ी क्षेत्र) - मुरुगन

मुल्लई (चारवाहे/वन क्षेत्र) - मायोन / विष्णु

मरुदम (कृषि मैदान) - वेंदम / इंद्र

नेइथल (तटीय क्षेत्र) - वरुणन

पलाई (शुष्क/रेगिस्तान) - कोर्रवई

MCQ 14.

उत्तर: D

व्याख्या:

सिंधु नदी प्रणाली हर साल अत्यधिक उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी जमा करती थी, जिससे भारी मात्रा में कृषि अधिशेष पैदा होता था, जिसने शहरी केंद्रों को जीवित रखा। उनका पशुपालन भी बहुत विविधतापूर्ण था, जिसमें कूबड़ वाले (जेबू) और बिना कूबड़ वाले मवेशी, भैंस, सुअर, भेड़ और मुर्गियां शामिल थीं।

MCQ 15.

उत्तर: A

व्याख्या:

प्रारंभिक चोल राजा नियमित रूप से सेन्नी, वलवन, किल्ली और चोलन जैसी प्रतिष्ठित पारिवारिक उपाधियाँ अपनाते थे।

संगम चोलों की प्रारंभिक आंतरिक राजधानी उरैयूर थी (जो अपने महीन सूती व्यापार के लिए प्रसिद्ध थी), जबकि पुहार उनकी तटीय/समुद्री राजधानी थी। मोती का व्यापार पूरी तरह से पांड्य साम्राज्य (जिसका केंद्र कोरकई था) का एकाधिकार और गौरव था। चोलों का शाही प्रतीक 'बाघ' था। धनुष और बाण चेर राजवंश का था, और मछली पांड्य राजवंश का प्रतीक थी।

MCQ 16.

उत्तर: D

व्याख्या:

उसने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की थी।

गुप्त वंश के संस्थापक श्रीगुप्त के पास 'महाराजा' की एक साधारण सामंती उपाधि थी। 'महाराजाधिराज' (राजाओं का राजा) की भव्य उपाधि पहली बार उनके पोते चंद्रगुप्त प्रथम द्वारा एक स्वतंत्र साम्राज्य की स्थापना के रूप में धारण की गई थी।

पूना ताम्रपत्रों में उन्हें 'अधिराज' (प्रथम राजा) कहा गया है। रिद्धपुर पत्र उनके 'धारण गोत्र' से जुड़ाव को दर्शाते हैं। चीनी विवरण पुष्टि करते हैं कि उन्होंने चीनी तीर्थयात्रियों के लिए मृगशिखावन मंदिर के निर्माण और रख-रखाव के लिए 24 गांवों का राजस्व दान किया था।

MCQ 17.

उत्तर: A

व्याख्या:

आदिनाथ (ऋषभदेव) - बैल

मल्लिनाथ -

संभवनाथ - घोड़ा

पार्श्वनाथ - सांप

MCQ 18.

उत्तर: B

व्याख्या:

16वीं शताब्दी में, फिलिप्पो सासेटी ने संस्कृत और यूरोपीय भाषाओं के बीच गहरे संरचनात्मक संबंधों को नोट किया था। मैक्स मूर ने प्रसिद्ध रूप से इस बात पर जोर दिया कि "आर्य" विशुद्ध रूप से एक

भाषा परिवार को परिभाषित करता है और इसका उपयोग कभी भी जैविक नस्ल को दर्शाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

भाषा की तुलना के आधार पर लिथुआनियाई मूल निवास का सिद्धांत लैथम और श्राडर जैसे विद्वानों द्वारा दिया गया था, लेकिन उन्होंने लिथुआनिया को निश्चित मूल घर के रूप में स्थापित नहीं किया; बल्कि भाषाई जीवाश्म विज्ञान मूल भारत-यूरोपीय घर को पोंटिक-कैस्पियन स्टेप्स के आसपास मानता है।

MCQ 19.

उत्तर: B

व्याख्या:

मत्स्य महाजनपद आधुनिक राजस्थान के मध्य/पूर्वी क्षेत्र (जयपुर, अलवर और भरतपुर जिलों) में स्थित था। इसकी प्राचीन राजधानी विराटनगर (आधुनिक बैराट) थी।

MCQ 20.

उत्तर: C

व्याख्या:

बृहद्रथ – उदयन – कालाशोक - धनानंद

बृहद्रथ: सबसे प्रारंभिक मगध वंश का पौराणिक संस्थापक।

उदयन: इसने 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व में राजधानी को पाटलिपुत्र स्थानांतरित किया था।

कालाशोक (शिशुनाग वंश): इसने 4थी शताब्दी ईसा पूर्व में द्वितीय बौद्ध संगीति की मेजबानी की थी।

धनानंद: नंद वंश का अंतिम शासक था, जिसे चौथी शताब्दी ईसा पूर्व के अंत में चंद्रगुप्त मौर्य ने गद्दी से हटा दिया था।

MCQ 21.

उत्तर: C

व्याख्या:

'द रूट्स ऑफ एंशिएंट इंडिया' अमेरिकी पुरातत्वविद वाल्टर एशलिन फेयरसर्विस जूनियर द्वारा प्रकाशित एक ऐतिहासिक पुरातात्विक कृति है।

MCQ 22.

उत्तर: A

व्याख्या:

आर्यभट्ट 5वीं शताब्दी के अंत और 6ठी शताब्दी की शुरुआत में रहते थे और उन्होंने मुख्य रूप से कुसुमपुर (पाटलिपुत्र) में काम किया था। हालांकि नालंदा बाद में फला-फूला, लेकिन ऐसा कोई प्रमाणित ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है जो आर्यभट्ट को नालंदा विश्वविद्यालय के सक्रिय प्रमुख या छात्र के रूप में स्थापित करता हो।

नालंदा दुनिया के पहले पूरी तरह से आवासीय विश्वविद्यालय के रूप में प्रसिद्ध है। इसके बहुमंज़िला पुस्तकालय को 'धर्म गंज' (सत्य का पर्वत) कहा जाता था और इसमें तीन भवन परिसर (रत्नसागर, रत्नोदधि और रत्नरंजक) शामिल थे। इसकी स्थापना कुमारगुप्त प्रथम ने की थी और हर्षवर्धन ने इसे उदारतापूर्वक संरक्षण दिया था।

MCQ 23.

उत्तर: C

व्याख्या:

ऋग्वैदिक आर्य मूर्ति पूजा या व्यक्तिगत भावुक भक्ति का अभ्यास नहीं करते थे। वे प्रकृति की शक्तियों को देवताओं (जैसे इंद्र, अग्नि और वरुण) के रूप में पूजते थे और सामूहिक यज्ञों और मंत्रों के माध्यम से उन्हें प्रसन्न करते थे।

MCQ 24.

उत्तर: D

व्याख्या:

कैलाशनाथ मंदिर (कांची) - नरसिंहवर्मन द्वितीय (राजसिंह) द्वारा बनाया गया था।

वैकुंठ पेरुमल मंदिर - नंदीवर्मन द्वितीय द्वारा बनाया गया था।

मंडगपट्टू रॉक-कट मंदिर - महेंद्रवर्मन प्रथम द्वारा बनाया गया था।

MCQ 25.

उत्तर: C

व्याख्या:

मौर्य प्रशासन में, 'सीता' शब्द का अर्थ राजकीय या राजा के स्वामित्व वाली कृषि भूमि से था, जबकि 'जनपद' शब्द निजी तौर पर या ग्राम

समुदायों के स्वामित्व वाले स्वतंत्र कृषि ब्लॉकों पर लागू होता था। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि राज्य द्वारा संचालित सीता भूमि की देखरेख सीधे 'सीताध्यक्ष' द्वारा की जाती थी और दासों, कैदियों/बंदियों और भाड़े के मजदूरों (कर्मकारों) का उपयोग करके इस पर खेती की जाती थी।

MCQ 26.

उत्तर: D

व्याख्या:

विंध्य क्षेत्र के मिर्जापुर जिले में स्थित 'लेखहिया' शिलाश्रय से सबसे अधिक संख्या में मध्यपाषाणकालीन मानव कंकाल प्राप्त हुए हैं (इतिहासकारों ने खुदाई से 17 से 27 मानव कंकाल दर्ज किए हैं)।

MCQ 27.

उत्तर: A

व्याख्या:

वैदिक धातु विज्ञान शब्दावली इस प्रकार है:

हिरण्य: सोने के लिए मानक शब्द।

त्रपु: टिन को संदर्भित करता है।

अयस: तांबा/कांसा

श्यामल / कृष्ण अयस: लोहे को संदर्भित करता है।

सीसा लेड के लिए इस्तेमाल किया जाता था।

MCQ 28.

उत्तर: D

व्याख्या:

प्राचीन भारत में घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाले रथ युद्ध और कुलीन प्रतिष्ठा के अत्यधिक विशिष्ट साधन थे, न कि रोज़मर्रा के शहरी व्यापार को चलाने वाले व्यावसायिक वाहन।

व्यापारी और शिल्पकार संघों (श्रेणियों) के पास गहरे आर्थिक और स्वायत्त न्यायिक अधिकार थे; वे मजदूरी तय करते थे, उत्पादन की गुणवत्ता की कड़ाई से निगरानी करते थे, बाजार की कीमतों को नियंत्रित करते थे और प्रभावी रूप से क्रेडिट बैंकों के रूप में काम करते थे।

MCQ 29.

उत्तर: A

व्याख्या:

'पृथिव्याः प्रथम वीर' (अर्थात 'पृथ्वी का पहला योद्धा') की उपाधि गुप्त सम्राट समुद्रगुप्त ने उत्तर और दक्षिण भारत में अपनी बेजोड़ सैन्य विजयों के कारण अर्जित की थी, जैसा कि उनके सिक्कों और अभिलेखों में दर्ज है।

MCQ 30.

उत्तर: C

व्याख्या:

आधुनिक इतिहासकारों (जैसे रोमिला थापर) ने उस पुराने दावे को गलत साबित कर दिया है कि अशोक के शांतिवाद ने साम्राज्य को सैन्य रूप से पंगु बना दिया था। अशोक ने कभी भी अपनी बड़ी स्थायी सेना को भंग नहीं किया और न ही उसने मृत्युदंड को समाप्त किया। साम्राज्य का पतन प्रशासनिक अत्यधिक केंद्रीयकरण, कमजोर उत्तराधिकारी राजाओं, वित्तीय तनाव और क्षेत्रीय विभाजनों के कारण हुआ था।

MCQ 31.

उत्तर: D

व्याख्या:

जैसा कि प्रसिद्ध जूनागढ़ शिलालेख (150 ईस्वी) में दर्ज है, शक शासक रुद्रदामन प्रथम ने सुदर्शन झील के टूटे हुए बांध की मरम्मत पूरी तरह से अपने निजी खजाने से करवाई थी। उसने गर्व से उल्लेख किया है कि उसने अपनी प्रजा पर बेगार (विष्टि या अतिरिक्त कर (प्रणय का कोई बोझ नहीं डाला।

MCQ 32.

उत्तर: B

व्याख्या:

हड़प्पा संस्कृति का मुख्य क्षेत्र और शुरुआती प्रमुख शहरी बस्तियों का सबसे बड़ा संकेंद्रण मुख्य रूप से पंजाब, राजस्थान और गुजरात के सिंधु-घग्गर-हाकरा मैदानों में फैला हुआ है।

MCQ 33.

उत्तर: C

व्याख्या:

पांड्य राजा नेदुनजेलियन (या उस समृद्ध व्यापारिक युग के एक सामान्य पांड्य शासक) ने रोमन सम्राट ऑगस्टस के पास व्यापारिक राजनयिक मिशन भेजे थे, न कि अर्ध-काल्पनिक प्रारंभिक शासक नेदियोन ने।

मेगास्थनीज ने उल्लेख किया था कि पांड्य साम्राज्य पर कभी एक महिला (हेराक्लीज़ की बेटी, पांड्या) का शासन था। उन्होंने भारत के सबसे दक्षिणी छोर पर कब्जा कर रखा था, और संगम ग्रंथों में मुदुकुडुमी की प्रशंसा एक शुरुआती विजेता के रूप में की गई है जिसने कई वैदिक यज्ञ किए थे।

MCQ 34.

उत्तर: C

व्याख्या:

सामान्य लोगों के लिए एकविवाह एक स्वस्थ सामाजिक मानदंड था, लेकिन ऋग्वैदिक काल के दौरान शासक योद्धा वर्ग (राजन्य) और कुलीन सरदारों के बीच बहुविवाह का अभ्यास निश्चित रूप से किया जाता था।

अपाला और लोपामुद्रा जैसी उच्च सामाजिक स्तर की महिला कवियों (ब्रह्मवादिनी) ने वैदिक भजनों की रचना की, महिलाओं ने सभा और समिति की सभाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया, और सती प्रथा (विधवा को जलाना) का पूरी तरह से अभाव था।

MCQ 35.

उत्तर: D

व्याख्या:

प्राचीन भारतीय श्रेणी संरचनाओं में, 'कार्यचिंतक' का अर्थ लेखकों का प्रमुख नहीं था; वे कार्यकारी अधिकारी या बोर्ड के सदस्य होते थे जिन्हें श्रेणी के दैनिक मामलों, प्रशासन और विवादों के समाधान के लिए चुना जाता था।

नगरसेठ शहरी व्यापारी निकाय के सर्वोच्च प्रमुख या अध्यक्ष के रूप में कार्य करते थे। प्रथम-कुलिक मुख्य शिल्पकार/कारीगर का प्रतिनिधित्व करते थे। सार्थवाह गतिशील व्यापारिक काफिलों के नेता होते थे।

MCQ 36

उत्तर: C

व्याख्या:

वह हखामनी सम्राट जेरक्सेस और बाद में गॉगामेला के युद्ध में दारा तृतीय था, जिसने ग्रीको-पर्शियन युद्धों में भारतीय सैनिकों और विशेष तीरंदाजों को सक्रिय रूप से तैनात किया था, न कि साइरस द ग्रेट ने। ईरानी/फारसी शासन ने उत्तर-पश्चिमी भारत में दाएं से बाएं लिखी जाने वाली खरोष्ठी लिपि की शुरुआत की, प्रशासनिक क्षत्रप प्रणाली की शुरुआत की, और दारा प्रथम ने सिंधु, पंजाब और सिंध के पश्चिमी क्षेत्रों पर सफलतापूर्वक कब्जा कर लिया था।

MCQ 37.

उत्तर: A

व्याख्या:

कुषाण सम्राट विम कडफिसेस (कडफिसेस द्वितीय) पहला शासक था जिसने भारत में बड़े पैमाने पर नियमित व्यापारिक संचलन के लिए उच्च शुद्धता वाले सोने के सिक्के पेश किए थे, जिन पर आमतौर पर भगवान शिव के चित्र अंकित होते थे।

MCQ 38.

उत्तर: C

व्याख्या:

ब्रह्मवर्त की पवित्र भूमि पवित्र सरस्वती और दृशद्वती नदियों से घिरी हुई थी। शुतुद्रि (आधुनिक सतलुज) एक महत्वपूर्ण नदी थी लेकिन इसने इस विशिष्ट आंतरिक मुख्य क्षेत्र को परिभाषित नहीं किया था। यमुना नदी का उल्लेख ठीक तीन बार मिलता है, गंगा का उल्लेख देर से जोड़े गए 10वें मंडल (नदी सूक्त) में केवल एक बार मिलता है, और सरस्वती को परम नदी (नदीतमा) के रूप में सराहा गया है।

MCQ 39.

उत्तर: C

व्याख्या:

काच के सिक्के गुप्त शैलियों से मिलते-जुलते हैं; कई इतिहासकारों का सुझाव है कि काच एक बड़े भाई थे जिन्होंने चंद्रगुप्त प्रथम के बाद उत्तराधिकार के संकट के दौरान कुछ समय के लिए सत्ता संभाली थी। इसके विपरीत, मुद्राशास्त्रियों और इतिहासकारों का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि औपचारिक राज्याभिषेक नाम धारण करने से पहले समुद्रगुप्त का मूल/व्यक्तिगत जन्म का नाम ही काच था।

MCQ 40.

उत्तर: B

व्याख्या:

कडुंगोन इसने कलाभ्र राजवंश के पतन के बाद पांड्य साम्राज्य को पुनर्जीवित किया था।

अमोघवर्ष प्रथम: राष्ट्रकूट वंश का शासक था।

राजराज प्रथम: चोल वंश का शासक था।

MCQ 41.

उत्तर: B

व्याख्या:

हालांकि दोनों कथन अपने आप में ऐतिहासिक रूप से तथ्यात्मक और सही हैं, लेकिन समिति

में राजा की उपस्थिति की आवश्यकता (कथन-II) इस बात का कारण या व्याख्या नहीं है कि उन्हें पूरी तरह से अलग संदर्भ में प्रजापति की बेटियां क्यों कहा गया था।

MCQ 42.

उत्तर: D

व्याख्या:

वशिष्ठीपुत्र पुलुमावी (गौतमीपुत्र शातकर्णी का पुत्र और उत्तराधिकारी) को यह अनूठा ऐतिहासिक गौरव प्राप्त है कि वह राजा के चित्र वाले चांदी के सिक्के जारी करने वाला पहला सातवाहन राजा था।

MCQ 43.

उत्तर: D

व्याख्या:

प्रमुख शिलालेख III पहले से मौजूद अधिकारियों द्वारा हर पांच साल में किए जाने वाले समयबद्ध प्रशासनिक दौरों की प्रणाली की रूपरेखा तैयार करता है। वास्तव में यह प्रमुख शिलालेख V है जो उनके राज्याभिषेक के ठीक 13 वर्ष बाद 'धम्म महामात्य' के नए पद के ऐतिहासिक सृजन को दर्ज करता है।

MCQ 44.

उत्तर: A

व्याख्या:

कथन I सही है क्योंकि फारसी चांदी के सिक्के 'सिग्लोई' प्राचीन भारत के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में भारी मात्रा में चलते थे और उन्होंने सीधे तौर पर स्थानीय आहत सिक्कों को प्रभावित किया था।

कथन II गलत है क्योंकि सिकंदर के अभियान से पहले ही प्राचीन भारत में आहत सिक्के और क्षेत्रीय मुद्राएं स्वतंत्र रूप से लगातार उभर रही थीं।

MCQ 45.

उत्तर: B

व्याख्या:

मालवा के राजा यशोधर्मन इतिहास में लगभग 528 ईस्वी में प्रसिद्ध सोंधनी के युद्ध में क्रूर हुण शासक मिहिरकुल (तोरामाण का पुत्र) को निर्णायक रूप से हराने के लिए प्रसिद्ध हैं।

MCQ 46.

उत्तर: C

व्याख्या:

मंडी (मुजफ्फरनगर जिले में स्थित) और हुलास (सहारनपुर जिले में स्थित) दोनों वर्तमान उत्तर प्रदेश के अंदर स्थित हैं। राखीगढ़ी हरियाणा के हिसार जिले में स्थित है।

MCQ 47.

उत्तर: C

व्याख्या:

हड़प्पा स्थल से मिली 'मातृदेवी' की प्रसिद्ध मूर्ति वास्तव में मिट्टी की बनी एक मूर्ति है, न कि सेलखड़ी की मुहर खोजे गए अधिकांश प्रतिष्ठित सेलखड़ी की मुहरों पर जानवरों (जैसे एक सींग वाला गेंडा या बैल) और पशुपति की आकृति को दर्शाया गया है।

MCQ 48.

उत्तर: A

व्याख्या:

कथन II गलत है क्योंकि पुलकेसिन प्रथम वैदिक हिंदू धर्म का कट्टर अनुयायी था और उसने अश्वमेध (घोड़े की बलि) जैसे भव्य शाही अनुष्ठानों को प्रसिद्ध रूप से संपन्न किया था।

MCQ 49.

उत्तर: B

व्याख्या:

कथन II गलत है: ह्वेनसांग ने उल्लेख किया है कि बालादित्य ने एक भव्य बुद्ध प्रतिमा को रखने के लिए एक शानदार, विशाल 300 फीट ऊंचा विहार बनाया था, लेकिन इसका निर्माण नालंदा (मगध/बिहार) में किया गया था, उज्जैन में नहीं।

MCQ 50.

उत्तर: C

व्याख्या:

धनदेव का अयोध्या शिलालेख स्पष्ट रूप से बताता है कि शुंग वंश के शासक पुष्यमित्र शुंग ने मौर्य वंश को उखाड़ फेंकने के बाद अपने शाही अधिकार का दावा करने के लिए दो अश्वमेध यज्ञ (घोड़े की बलि) किए थे।

MCQ 51.

उत्तर: B

व्याख्या:

कथन II गलत है: वह वस्सकार (मगध के राजा अजातशत्रु का मुख्य मंत्री) था, न कि राजा उदयन, जिसे बुद्ध के पास वज्जी/लिच्छवियों की स्थिति और उनके आसन्न पतन/आक्रमण के बारे में पूछने के लिए भेजा गया था।

MCQ 52.

उत्तर: A

व्याख्या:

वत्स – उदयन

अवंती – प्रद्योत

गांधार - पुक्कुसाती

कोसल - प्रसेनजित

MCQ 53.

उत्तर: C

व्याख्या:

कथन I सही है: सीरिया के राजा एंटिओकस प्रथम ने डाइमेकस को मौर्य सम्राट बिंदुसार के दरबार में एक आधिकारिक राजदूत के रूप में भेजा था।

कथन II सही है: मिस्र के राजा टॉलेमी द्वितीय फिलाडेल्फस ने इसी अवधि के दौरान डायोनिसियस को भारत में एक राजदूत के रूप में भेजा था।

MCQ 54.

उत्तर: A

व्याख्या:

कथन II गलत है: सिक्के ढालने का अनन्य और संप्रभु अधिकार केवल सातवाहन राजाओं के पास था। महाभोज जैसे स्थानीय सामंतों के पास अपनी स्वतंत्र मुद्रा ढालने का कोई स्वायत्त राजकीय अधिकार नहीं था।

MCQ 55.

उत्तर: D

व्याख्या:

हालांकि उत्तर वैदिक काल में एक कठोर परिवर्तन देखा गया जहां वर्ण व्यवस्था व्यवसाय-आधारित होने के बजाय कड़ाई से जन्म-आधारित हो गई, लेकिन औपचारिक अस्पृश्यता की सामाजिक संस्था ने अभी तक अपना पूरी तरह से संस्थागत रूप नहीं लिया था। सामाजिक

स्तरीकरण का वह चरम स्तर बाद में सूत्र और स्मृति कालों के दौरान विकसित हुआ।

MCQ 56.

उत्तर: C

व्याख्या:

नानादेशिस प्रारंभिक मध्यकालीन काल के दौरान सक्रिय भारतीय व्यापारियों का एक शक्तिशाली और व्यापक संघ था। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक गतिविधियों का आयोजन किया और दक्षिण-पूर्व एशिया, फारस, मलाया और नेपाल सहित विदेशी क्षेत्रों में गहरे वाणिज्यिक नेटवर्क स्थापित किए।

हालांकि मणिग्रामम भी एक प्रमुख व्यापारी संघ था, लेकिन यह मुख्य रूप से क्षेत्रीय/प्रायद्वीपीय नेटवर्क के भीतर काम करता था, जबकि नानादेशिस ऐतिहासिक रूप से सीधे सीमा पार व्यापार में विशेषज्ञता रखने वाले "अन्य देशों/भूमियों के व्यापारियों" का प्रतिनिधित्व करते थे।

MCQ 57.

उत्तर: B

व्याख्या:

दौवारिक: मुख्य परिचारक / द्वारपाल / शाही महल का कार्यकारी अधिकारी।

अंतर्वंशिक: राजा के अंत:पुर के रक्षकों का प्रमुख।

अंतपाल: शाही सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार राज्यपाल या रक्षक।

(व्यावहारिक दीवानी अदालतों का मुख्य न्यायाधीश होता था और प्रदेष्टा आपराधिक अदालत का मुख्य न्यायाधीश होता था)।

MCQ 58.

उत्तर: C

व्याख्या:

कथन-II गलत है: अशोक ने सुदूर दक्षिण को सैन्य रूप से नहीं जीता था। उसकी एकमात्र बड़ी दर्ज सैन्य विजय कलिंग (आधुनिक ओडिशा) थी। उसने दक्षिणी राज्यों के साथ सौहार्दपूर्ण राजनयिक संबंध बनाए रखे, और वहां सेना भेजने के बजाय कल्याणकारी मिशन और चिकित्सा दूत भेजे थे।

MCQ 59.

उत्तर: A

व्याख्या:

कथन 3 गलत है: प्रसिद्ध चीनी बौद्ध भिक्षु ह्वेनसांग ने छठे महा मोक्ष परिषद में भाग लिया था और उन्हें आमंत्रित किया गया था, पांचवें में नहीं।

MCQ 60.

उत्तर: A

व्याख्या:

मुंडीगाक दक्षिणी अफगानिस्तान में एक महत्वपूर्ण कांस्य युग का स्थल।

राणा गुंडई बलूचिस्तान, एक महत्वपूर्ण प्रारंभिक कृषि और पशुपालन स्थल।

प्रभास पाटन गुजरात, एक सिंधु घाटी सभ्यता/उत्तर-हड़प्पा तटीय स्थल।

हनुमानगढ़: राजस्थान, वह प्रशासनिक जिला जिसमें प्रसिद्ध सिंधु स्थल कालीबंगा स्थित है।

MCQ 61.

उत्तर: C

व्याख्या:

उत्तर प्रदेश की बेलन नदी घाटी में स्थित कोल्डीहवा पुरातत्वविदों के बीच नवपाषाण काल के पालतू चावल के दानों के सबसे शुरुआती प्रमाण देने के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

बुर्जहोम (कश्मीर) अनोखे गर्त-आवासों और जानवरों को दफनाने के लिए प्रसिद्ध है, न कि अशोक की रॉक गुफाओं के लिए।

हुंसगी (कर्नाटक) एक प्रमुख निम्न पुरापाषाणकालीन चूना पत्थर उपकरण-कारखाना स्थल है।

बागोर (राजस्थान) एक व्यापक मध्यपाषाणकालीन स्थल है जो प्रारंभिक पशुपालन को प्रदर्शित करता है।

MCQ 62.

उत्तर: A

व्याख्या:

कथन II गलत है: कालिदास की कालजयी रचना 'अभिज्ञानशाकुंतलम' का पहला अंग्रेजी अनुवाद वास्तव में 1789 में सर विलियम जोन्स द्वारा प्रकाशित किया गया था। जेम्स प्रिंसेप को इतिहास में 1837 में अशोक की ब्राह्मी लिपि को पढ़ने के लिए जाना जाता है, न कि इस नाटक के अनुवाद के लिए।

MCQ 63.

उत्तर: D

व्याख्या:

आलमगीरपुर (मेरठ जिले में हिंडन नदी पर स्थित) और हुलास (सहारनपुर जिले में स्थित) दोनों वर्तमान उत्तर प्रदेश के अंदर स्थित प्रमुख सिंधु घाटी/उत्तर-हड़प्पा कालीन स्थल हैं।

MCQ 64.

उत्तर: C

व्याख्या:

सनौली (बागपत जिला) उत्तर प्रदेश में एक प्रमुख उत्तर-हड़प्पा / गेरूए रंग के पात्र (OCP) वाले शवाधान स्थल के रूप में अत्यधिक प्रसिद्ध है, जबकि "सहोरा" को उत्तर प्रदेश के नवीनतम हड़प्पा स्थल के रूप में मान्यता नहीं प्राप्त है।

आमरी एक महत्वपूर्ण संक्रमण काल को दर्शाता है। सिंधु सभ्यता की मुहरों पर एक सींग वाला काल्पनिक गेंडा सबसे आम प्रतीक है।

रंगपुर (गुजरात) की खुदाई स्वतंत्रता के ठीक बाद 1947 में एम.एस. वत्स द्वारा की गई थी।

MCQ 65.

उत्तर: B

व्याख्या:

कथन 1 गलत है: वह सम्राट संप्रति (अशोक के पोते) थे, न कि कुणाल, जो जैन धर्म के कट्टर संरक्षक थे और जैन शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार व मंदिरों के निर्माण के व्यापक प्रयासों के कारण उन्हें इतिहास में "जैन धर्म का अशोक" उपनाम मिला।

MCQ 66.

उत्तर: A

व्याख्या:

कथन-I सही है: हड़प्पा स्थलों पर आंशिक और प्रतीकात्मक शवाधान पाए गए हैं, जहाँ वास्तविक कंकाल के अवशेषों के बिना भी, रोज़मर्रा की उपयोगिता की वस्तुएं, आभूषण या व्यक्तिगत सामान से भरे विशाल बर्तनों को गोलाकार गड्ढों में औपचारिक रूप से दफनाया गया था।

कथन-II सही है: मृतकों के साथ या उनके स्थान पर बर्तनों, औजारों और व्यक्तिगत सामानों को दफनाने की यह विशिष्ट पुरातात्विक प्रथा इस बात का पुख्ता भौतिक प्रमाण है कि हड़प्पावासी मृत्यु के बाद के जीवन (में गहरा विश्वास रखते थे, ताकि मृतक इन वस्तुओं का उपयोग परलोक में कर सके।

इसलिए, कथन-II पूरी तरह से कथन-I में दिए गए शवाधान पैटर्न की सही व्याख्या करता है।

MCQ 67.

उत्तर: B

व्याख्या:

धनंजय – कुस्थलपुर

नीलराज - अवमुक्त

उग्रसेन - पालका

विष्णुगोप - कांची

MCQ 68.

उत्तर: A

व्याख्या:

भीमबेटका: मध्य प्रदेश में रॉक पेंटिंग (शैलचित्र) के साथ-साथ मध्यपाषाणकालीन और पुरापाषाणकालीन शैलश्रय।

बुर्जहोम: जम्मू और कश्मीर में पाए जाने वाले अनूठे नवपाषाणकालीन भूमिगत गर्त-आवास

कोल्डीहवा: बेलन घाटी, उत्तर प्रदेश में पालतू चावल के दानों का सबसे पहला स्पष्ट प्रमाण।

हुंसगी: कर्नाटक में पुरापाषाणकालीन औजार और निवास स्थल।

MCQ 69.

उत्तर: D

व्याख्या:

कथन-I गलत है: सुश्रुत प्राचीन काल में (आमतौर पर 1000 ईसा पूर्व से 600 ईसा पूर्व के बीच) रहते थे, जो हर्ष काल (7वीं शताब्दी ईस्वी) से बहुत पहले का समय है। हर्ष काल के सबसे प्रसिद्ध चिकित्सक वाग्भट्ट या बाणभट्ट द्वारा उल्लेखित दरबारी डॉक्टर थे, न कि सुश्रुत।

MCQ 70.

उत्तर: D

व्याख्या:

पल्लव – कांची (तमिलनाडु)

पांड्य – मदुरै (तमिलनाडु)

यादव – देवगिरि (महाराष्ट्र)

काकतीय – वारंगल (तेलंगाना)

MCQ 71.

उत्तर: C

व्याख्या:

कश्मीर में स्थित नवपाषाणकालीन स्थल बुर्जहोम से असाधारण घरेलू प्रमाण मिलते हैं, जहाँ पालतू कुत्तों और भेड़ियों के कंकालों को उनके स्वामियों के साथ एक ही शवाधान गड्ढों में जानबूझकर दफनाया गया था।

MCQ 72.

उत्तर: B

व्याख्या:

कथन-I सही है: प्राचीन भारतीय व्यापारी और शिल्पकार संघ (श्रेणियाँ) संस्थागत बैंकों के रूप में कार्य करते थे, जो'अक्षयनीवि' नामक स्थायी, अहस्तांतरणीय वित्तीय बंदोबस्त स्वीकार करते थे और विशिष्ट दान कार्यों के लिए केवल मासिक ब्याज का उपयोग करते थे।

कथन-II सही है: इन श्रेणियों के पास अपने सदस्यों पर संप्रभु न्यायिक स्वायत्तता थी और वे कानूनी रूप से मौद्रिक जुर्माने से लेकर पूर्ण सामाजिक बहिष्कार (निर्वासन) तक के कड़े दंड लगा सकते थे।

हालांकि सदस्यों को दंडित करने का कानूनी अधिकार (कथन-II) और बैंकिंग/स्थायी जमा प्रणाली (कथन-I) दोनों श्रेणियों की शक्ति की सही विशेषताएं हैं, लेकिन यह कानूनी अधिकार वैचारिक रूप से अलग है और यह इस बात की तार्किक व्याख्या नहीं करता है कि उनकी वित्तीय जमा प्रणाली कैसे काम करती थी।

MCQ 73.

उत्तर: D

व्याख्या:

सिंधु घाटी सभ्यता: भारत का अत्यधिक संरचित प्रथम नगरीकरण

उत्तर वैदिक समाज: स्थापित कृषि आर्थिक आधार बन गई थी।

ऋग्वैदिक समाज: एक खानाबदोश चरवाहा अर्थव्यवस्था जो मुख्य रूप से पशुपालन पर केंद्रित थी।

मध्यकाल: सामंती भूमि राजस्व संरचनाओं और क्षेत्रीय सरदारों का व्यवस्थित उदय।

MCQ 74.

उत्तर: A

व्याख्या:

बुर्जहोम – कश्मीर

चिरांद – बिहार

कोल्डीहवा - उत्तर प्रदेश

हल्लूर – कर्नाटक

MCQ 75.

उत्तर: A

व्याख्या:

मुहरों का सबसे अधिक घनत्व मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसे प्रमुख केंद्रीय शहरी केंद्रों की खुदाई से प्राप्त हुआ है। रोपण और सुरकोटदा

जैसे दूरदराज के बाहरी इलाकों से बहुत कम नमूने मिले हैं।

MCQ 76.

उत्तर: D

व्याख्या:

बालू– हरियाणा

मांदा - जम्मू और कश्मीर

पादरी - गुजरात

हुलास - उत्तर प्रदेश

MCQ 77.

उत्तर: B

व्याख्या:

क्षपणक ज्योतिष/खगोल विज्ञान के प्रसिद्ध आचार्य थे।

अमरसिंह अमरकोश (संस्कृत शब्दकोश/व्याकरण) की रचना करने वाले कोशकार थे।

शंकु वेतालभट्ट के वास्तविक गुरु/शिल्पकार थे।

वररुचि इन्होंने 'प्राकृत प्रकाश' की रचना की थी, जो सबसे प्राचीन प्राकृत व्याकरण पुस्तिका है।

MCQ 78.

उत्तर: C

व्याख्या:

ह्वेनसांग ने एक ऐतिहासिक परंपरा को दर्ज किया है जो पाटलिपुत्र को शामिल करते हुए अश्वघोष को कनिष्क से जोड़ती है।

कनिष्क मुख्य रूप से महायान बौद्ध धर्म से जुड़े हुए हैं, न कि हीनयान से। उनके संरक्षण में आयोजित चौथी बौद्ध संगीति को पारंपरिक रूप से महायान बौद्ध धर्म के विकास से जोड़ा जाता है।

MCQ 79.

उत्तर: C

व्याख्या:

वैदिक समाज में, सामान्य परिवारों में एकविवाह एक सामान्य नियम और सामाजिक मानदंड था। हालांकि बहुविवाह का अस्तित्व था, लेकिन यह राजनीतिक गठबंधनों के लिए कुलीन, राजसी और शासक योद्धा वर्गों तक ही कड़ाई से सीमित था; यह "सभी वर्गों" के लिए मानक नहीं था।

MCQ 80.

उत्तर: B

व्याख्या:

धन्वंतरि: एक प्रसिद्ध चिकित्सक और आयुर्वेद के प्रख्यात जनक हैं।

घटकर्पर: एक प्रसिद्ध कवि और मूर्तिकला/साहित्यिक कला के उस्ताद थे।

वराहमिहिर: एक गणितज्ञ थे और उनकी प्रसिद्ध कृतियाँ 'बृहत्संहिता' व 'पंचसिद्धांतिका' उन्हें एक खगोलशास्त्री और ज्योतिषी के रूप में वर्गीकृत करती हैं।

अमरसिंह: एक असाधारण संस्कृत विद्वान, कवि और व्याकरणविद् थे जिन्होंने प्रसिद्ध शब्दकोश 'अमरकोश' की रचना की थी।

MCQ 81.

उत्तर: D

व्याख्या:

झुकर और झांगर संस्कृतियाँ आमतौर पर सिंध में उत्तर-शहरी/उत्तर-हड़प्पा चरण से जुड़ी हैं, न कि परिपक्व हड़प्पा सभ्यता के उदय से।

MCQ 82.

उत्तर: C

व्याख्या:

विष्णु श्रीधर वाकणकर ने 1957 में भीमबेटका के शैलश्रयों और उनके ऐतिहासिक शैलचित्रों के प्रागैतिहासिक महत्व को पहचाना था।

MCQ 83.

उत्तर: A

व्याख्या:

अपने से पहले के राजवंशों के विपरीत, राजराज प्रथम और राजेंद्र प्रथम जैसे चोल राजाओं ने जानबूझकर अपने औपचारिक शाही आदेशों और व्यापक ऐतिहासिक विवरणों को सीधे संरचनात्मक पत्थर के मंदिरों पर दर्ज करवाया था। यह विशेषता चोलों की हमारी ऐतिहासिक समझ को असाधारण रूप से सटीक बनाती है।

MCQ 84.

उत्तर: C

व्याख्या:

मोहनजोदड़ो की प्रतिष्ठित कांस्य 'नर्तकी' का बायां हाथ बंधा हुआ नहीं है; बल्कि वह उसकी बाईं जांघ पर ढीला लटका हुआ है और लगभग पूरी तरह से 24 से 25 चूड़ियों से ढका हुआ है। दूसरी ओर, उसका दाया हाथ उसकी कमर पर मजबूती से टिका है। वह त्रिभंग मुद्रा में खड़ी है, उसने अपनी दाहिनी ऊपरी बांह पर एक ताबीज और ब्रेसलेट पहना हुआ है, और उसके बाल पीछे एक जूड़े में बंधे हैं।

MCQ 85.

उत्तर: C

व्याख्या:

मत्स्य – विराटनगर

कुरु – इंद्रप्रस्थ

शूरसेन – मथुरा

अश्मक – पोतना / पोतन

MCQ 86.

उत्तर: B

व्याख्या:

स्वर्ग और दंड के लोकों के विचार उपनिषदों से पहले वैदिक साहित्य में विकसित हो चुके थे। उपनिषद मुख्य रूप से ब्रह्म, आत्मन, कर्म, पुनर्जन्म और मोक्ष जैसी अवधारणाओं से जुड़े हुए हैं। इसलिए, इस अवधारणा की उत्पत्ति या उपस्थिति का श्रेय विशेष रूप से उपनिषदों को देना सबसे सही कथन नहीं है।

MCQ 87.

उत्तर: A

व्याख्या:

प्राचीन राजकोषीय प्रशासन में (विशेष रूप से मौर्य और गुप्त अभिलेखों में प्रमुखता से), राज्य द्वारा लागू सिंचाई कर को 'बिदकभागम' या उदकभाग - के रूप में जाना जाता था।

MCQ 88.

उत्तर: A

व्याख्या:

दाओजली हाडिंग (असम का एक नवपाषाणकालीन स्थल): डोरी-छाप मृदभांड

बागोर (राजस्थान का एक मध्यपाषाणकालीन स्थल): पशुपालन

पिकलीहल (कर्नाटक का एक नवपाषाणकालीन चरवाहा स्थल): राख के टीले

आदमगढ़ (मध्य प्रदेश में प्रागैतिहासिक गुफा चित्रों और आश्रयों के लिए प्रसिद्ध): शैलश्रय

MCQ 89.

उत्तर: D

व्याख्या:

जोगलथम्बी सिक्कों का खजाना नहपान से जुड़ा है; उसके कई सिक्कों को गौतमीपुत्र शातकर्णी द्वारा दोबारा ढाला गया था।

मथुरा सिंह शीर्ष शिलालेख उत्तरी क्षत्रप शासक राजुवुल/राजुल से जुड़ा हुआ है।

एजेस प्रथम ऐसे सिक्के जारी किए जिन पर एक महिला देवी को दर्शाया गया था, जिनकी पहचान आमतौर पर लक्ष्मी के रूप में की जाती है।

MCQ 90.

उत्तर: D

व्याख्या:

अक्षावाप: द्यूत (जुआ) का प्रमुख/अधीक्षक

पालागल: राजा का मित्र/दूत

भागदुघ: कर संग्रहकर्ता

संग्रहीतृ: कोषाध्यक्ष

MCQ 91.

उत्तर: C

व्याख्या:

मेगास्थनीज के अनुसार, 'एग्रोनोमोई' \ग्रामीण इलाकों और लोक निर्माण (सड़कों, मील के पत्थरों और संबंधित बुनियादी ढांचे सहित) की देखरेख से जुड़े अधिकारी थे।

MCQ 92.

उत्तर: B

व्याख्या:

पश्चिमी क्षत्रपों पर विजय के बाद चांदी के सिक्कों की शुरुआत चंद्रगुप्त द्वितीय द्वारा की गई थी, न कि स्कंदगुप्त द्वारा।

MCQ 93.

उत्तर: B

व्याख्या:

आंध्र के इक्ष्वाकुओं को पौराणिक परंपरा में 'श्रीपर्वतीय' कहा गया है, जो श्रीपर्वत-नागार्जुनकोंडा क्षेत्र से जुड़े थे।

MCQ 94.

उत्तर: D

व्याख्या:

प्रसिद्ध सूक्ति "असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय..." बृहदारण्यक उपनिषद में आती है, ऋग्वेद में नहीं।

MCQ 95.

उत्तर: B

व्याख्या:

ऋषभनाथ – अष्टपाद

वासुपूज्य – चम्पापुरी

नेमिनाथ – ऊर्जयंत / गिरनार

महावीर – पावापुरी

MCQ 96.

उत्तर: D

व्याख्या:

मंडी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में स्थित हड़प्पा काल का एक पुरातात्विक स्थल है, जो विशेष रूप से सोने के आभूषणों के एक बड़े खजाने की खोज के लिए उल्लेखनीय है।

MCQ 97.

उत्तर: B

व्याख्या:

हिंद-यवन सैन्य कप्तानी या सैन्य शासन की प्रणाली से जुड़े हुए हैं। 'नेपथ्य' का अर्थ वेशभूषा/बैकस्टेज या ड्रेसिंग होता है और यह भारतीय ज्योतिष में हिंद-यवनों का योगदान नहीं है। यवनों का प्रभाव 'होराशास्त्र' और 'यवनजातक' जैसे शब्दों से अधिक निकटता से जुड़ा हुआ है।

सोने के सिक्के हिंद-यवनों से पहले/स्वतंत्र रूप से भी मौजूद थे; हिंद-यवन विशेष रूप से द्विभाषी, चित्रयुक्त और उत्कीर्ण सिक्कों के लिए जाने जाते हैं। बड़े पैमाने पर सोने के सिक्के जारी करने का श्रेय मुख्य रूप से कुषाणों को जाता है।

MCQ 98.

उत्तर: B

व्याख्या:

सातवाहनों ने प्राकृत भाषा को संरक्षण दिया था, जिसका उनके अभिलेखों और साहित्य में व्यापक रूप से उपयोग किया गया था। इस काल में कला के सार्वजनिक/लोकप्रिय पहलू को काफी प्रोत्साहन मिला, विशेष रूप से बौद्ध स्तूपों, मूर्तियों, गुफाओं और व्यापारियों, श्रेणियों व आम लोगों द्वारा दिए गए दानों के माध्यम से।

MCQ 99.

उत्तर: C

व्याख्या:

चंद्रगुप्त द्वितीय ने अंतिम पश्चिमी क्षत्रप शासक रुद्रसिंह तृतीय के खिलाफ एक निर्णायक सैन्य अभियान चलाया और उत्तर-पश्चिमी भारत में शक शासन को पूरी तरह से उखाड़ फेंका।

इस विजय के बाद, पश्चिमी मालवा और काठियावाड़ प्रायद्वीप (आधुनिक गुजरात) के अत्यधिक लाभकारी व्यापारिक मार्ग और क्षेत्र स्थायी रूप से विस्तार करते हुए गुप्त साम्राज्य में मिला लिए गए।

MCQ 100.

उत्तर: D

व्याख्या:

गोलाकार कब्रें मुख्य रूप से कालीबंगा और गुजरात के कच्छ में हाल ही में खोजे गए स्थलों (जैसे जूना खटिया) की एक विशिष्ट विशेषता हैं, लेकिन वे बनावली की शवाधान विशेषता नहीं हैं।

प्रतीकात्मक या आंशिक शवाधान का यह विशिष्ट प्रकार—जिसमें एक बड़े बर्तन के अंदर छोटे बर्तन रखे होते थे और मानव कंकाल या हड्डियों के अवशेष पूरी तरह से गायब होते थे—विशेष रूप से कालीबंगा में दर्ज किया गया है। यह उन प्रतीकात्मक/स्मारक कब्रों का उदाहरण है जहां शरीर अनुपस्थित होता था।

MCQ 101.

उत्तर: C

व्याख्या:

चारों दिशाओं में से प्रत्येक पर पांच पवित्र आयक स्तंभों से सजे एक प्रमुख चबूतरे की विशेषता बौद्ध स्तूपों की आंध्र शैली का एक अनूठा स्थापत्य लक्षण है। इसे अमरावती के महास्तूप और नागार्जुनकोंडा में सबसे विशिष्ट रूप से देखा जा सकता है।

MCQ 102.

उत्तर: C

व्याख्या:

सर जॉन मार्शल ने 1902 से 1928 तक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक के रूप में कार्य किया। 1920 के दशक में, उन्होंने आधिकारिक तौर पर हड़प्पा और मोहनजोदड़ो दोनों के व्यवस्थित उत्खनन का निर्देशन और आदेश दिया, जिसके परिणामस्वरूप 1924 में दुनिया के सामने सिंधु घाटी सभ्यता की ऐतिहासिक घोषणा की गई।

MCQ 103.

उत्तर: C

व्याख्या:

कथन 2 गलत है: ऐसा कोई भी ऐतिहासिक या वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है जो यह दर्शाता हो कि तीसरी शताब्दी ईस्वी तक प्राचीन भारत के अंदर जटिल अंग प्रत्यारोपण जैसी प्रक्रियाएं होती थीं।

MCQ 104.

उत्तर: C

व्याख्या:

कथन-II गलत है: सम्राट कनिष्क एक ऐतिहासिक शाही संरक्षक थे जो बौद्ध धर्म के महायान रूप से निकटता से जुड़े हुए थे। उन्होंने ही कश्मीर में चौथी बौद्ध संगीति बुलाई थी जहाँ महायान और हीनयान के बीच का विभाजन औपचारिक रूप से दृढ़ हुआ था।

MCQ 105.

उत्तर: D

व्याख्या:

भागदुघ उत्तर वैदिक काल के रत्निनों में एक महत्वपूर्ण अधिकारी था। वह राजा के हिस्से (भाग) या कर (राजस्व) के संग्रह से जुड़ा हुआ था।

MCQ 106.

उत्तर: B

व्याख्या:

पश्चिमी क्षत्रपों (शकों) पर चंद्रगुप्त द्वितीय की विजय को उनके चांदी के सिक्कों से मजबूत समर्थन मिलता है, जो पश्चिमी क्षत्रप प्रकार की नकल थे।

ये चांदी के सिक्के लगभग 33 ग्रेनके पश्चिमी भारतीय वजन मानक का पालन करते थे।

MCQ 107.

उत्तर: B

व्याख्या:

प्रमुख शिलालेख XII स्पष्ट रूप से विभिन्न संप्रदायों के बीच धार्मिक सहिष्णुता, आपसी सम्मान और आध्यात्मिक समन्वय की अपील करता है। यह 'वचगुति' (वाणी पर नियंत्रण) पर जोर देता है और बताता है कि दूसरे के धर्म का सम्मान करके व्यक्ति अपने संप्रदाय को ऊपर उठाता है और साथ ही दूसरे संप्रदाय की भी सेवा करता है।

MCQ 108.

उत्तर: A

व्याख्या:

मोरिय पिप्पलीवन में केंद्रित थे, रामग्राम में नहीं। (रामग्राम में कोलीय संप्रदाय केंद्रित था)।

शाक्य कपिलवस्तु में केंद्रित थे, पिप्पलीवन में नहीं।

MCQ 109.

उत्तर: C

व्याख्या:

व्यापक समुद्री व्यापार नेटवर्क पर प्रकाश डालने वाले साक्ष्यों में लोथल के गोदीवाड़ा बंदरगाह शहर से खोजी गई नाव का एक प्रसिद्ध मिट्टी का मॉडल और मोहनजोदड़ो से खुदाई में मिली एक सेलखड़ी की मुहर पर नाव की स्पष्ट नक्काशी शामिल है।

MCQ 110.

उत्तर: D

व्याख्या:

बिल्ली के पैरों के निशान का पीछा करते हुए कुत्ते को दर्शाने वाली प्रसिद्ध ईंट/मिट्टी की टाइल औद्योगिक स्थल चन्हुदड़ो से खोजी गई थी, कालीबंगा से नहीं।

MCQ 111.

उत्तर: C

व्याख्या:

राजा मिलिंद ने बौद्ध दर्शन के संबंध में गहन प्रश्न पूछे और नागसेन ने उनका उत्तर दिया। उनके संकलित संवाद प्रसिद्ध ग्रंथ 'मिलिंदपञ्हो' का निर्माण करते हैं।

नागार्जुन एक प्रसिद्ध महायान दार्शनिक थे जिन्होंने शून्यवाद की अवधारणा प्रतिपादित की थी। नागभट्ट गुर्जर-प्रतिहार वंश के शासकों को संदर्भित करता है। कुमारिल भट्ट एक प्रमुख मीमांसा विद्वान थे।

MCQ 112.

उत्तर: D

व्याख्या:

एरण का पाषाण शिलालेख जो राजा की तुलना कुबेर और यम जैसे देवताओं से करता है, वास्तव में समुद्रगुप्त का है।

गुप्त काल के उदयगिरि गुफा शिलालेख चंद्रगुप्त द्वितीय और कुमारगुप्त प्रथम से निकटता से जुड़े हुए हैं।

MCQ 113.

उत्तर: B

व्याख्या:

पूर्वी राजा: 'सम्राट' की उपाधि धारण करते थे।

दक्षिणी राजा: 'भोज' की उपाधि धारण करते थे।

उत्तरी राजा: 'विराट' की उपाधि धारण करते थे।

पश्चिमी राजा: 'स्वराट' की उपाधि धारण करते थे।

MCQ 114.

उत्तर: C

व्याख्या:

विष्णु पुराण मौर्य वंश से संबंधित राजवंश संबंधी जानकारी प्रदान करता है।

वायु पुराण गुप्त काल के लिए एक महत्वपूर्ण पौराणिक स्रोत है और उनके राजनीतिक इतिहास/प्रशासन से संबंधित प्रासंगिक जानकारी प्रदान करता है।

MCQ 115.

उत्तर: B

व्याख्या:

महावंश (श्रीलंकाई बौद्ध ग्रंथ) बिंदुसार के शासनकाल के दौरान एक बड़े विद्रोह को दबाने के लिए अशोक को तक्षशिला भेजे जाने का विवरण देता है, न कि इस समयरेखा में विशेष रूप से खस और नेपाल के अभियानों का श्रेय देता है।

MCQ 116.

उत्तर: A

व्याख्या:

प्रभाकरवर्धन की पुत्री राज्यश्री का विवाह मौखरि वंश के गृहवर्मन से हुआ था, न कि गौड़ देश के राजा से।

प्रभाकरवर्धन को हुणों के लिए एक आतंक/सिंह (हूण-हरिण-केसरी) के रूप में दर्शाने वाला प्रसिद्ध विवरण बाणभट्ट के 'हर्षचरित' से आता है, न कि बांसखेड़ा शिलालेख से।

MCQ 117.

उत्तर: B

व्याख्या:

रुद्रदामन प्रथम 'महाक्षत्रप' की उपाधि धारण करने वाला पहला शासक नहीं था; इस उपाधि का उपयोग उससे पहले अन्य क्षत्रप शासकों द्वारा किया जा चुका था।

उषवदात (नहपान के दामाद) का शिलालेख रुद्रदामन से पहले का है।

एक शातकर्णी शासक पर रुद्रदामन की विजय का विवरण जूनागढ़ शिलालेख में दर्ज है।

MCQ 118.

उत्तर: B

व्याख्या:

प्रसिद्ध संस्कृत खगोलशास्त्रीय ग्रंथ 'ज्योतिर्विदाभरण' को पारंपरिक रूप से महान विद्वान कालिदास की कृति माना जाता है।

MCQ 119.

उत्तर: B

व्याख्या:

फाहियान ने मध्य एशिया के माध्यम से उत्तरी थल मार्ग 'सिल्क रोड' को अपनाया और दुर्गम हिंदू कुश पहाड़ों को पार करके भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवेश किया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह खैबर दर्रे से वापस नहीं लौटा; उसने समुद्री मार्ग चुना और ताम्रलिप्ति बंदरगाह से श्रीलंका के लिए प्रस्थान किया, और फिर दक्षिण-पूर्व एशिया से होते हुए वापस चीन पहुँचा।

MCQ 120.

उत्तर: A

व्याख्या:

चरक संहिता में कुल 120 अध्याय हैं, जो 8 स्थानों (खंडों/सेक्शन्स) में विभाजित हैं।

MCQ 121.

उत्तर: B

व्याख्या:

चेदि महाजनपद की राजधानी शुक्तिमती थी।

वत्स महाजनपद की राजधानी कौशाम्बी थी।

MCQ 122.

उत्तर: C

व्याख्या:

अपने आधारभूत गणितीय ग्रंथ 'पंचसिद्धांतिका' में, वराहमिहिर ने एक प्रारंभिक सूत्र पेश किया जिसे आज 'पास्कल का त्रिकोण' (संयोजन की गणना के लिए) कहा जाता है। उन्होंने साइन और कोसाइन फलनों के लिए भारतीय त्रिकोणमितीय तालिकाओं में भी महत्वपूर्ण सुधार किए।

'बृहत्संहिता' में, उन्होंने वैज्ञानिक रूप से यह निष्कर्ष निकाला कि पृथ्वी अंतरिक्ष में लटका हुआ एक गोला है और सही ढंग से समझाया कि चंद्रमा सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करता है, न कि स्वयं का प्रकाश उत्पन्न करता है।

MCQ 123.

उत्तर: D

व्याख्या:

मौर्य अर्थव्यवस्था अत्यधिक केंद्रीकृत थी और राज्य द्वारा केंद्रीय अध्यक्षों के माध्यम से प्रबंधित की जाती थी, न कि निजी व्यापारी संघों (श्रेणियों) द्वारा स्वायत्त रूप से नियंत्रित। मौर्योत्तर और गुप्त काल में श्रेणियाँ बहुत अधिक शक्तिशाली हो गई थीं।

हालांकि मौर्य राज्य 'उदकभाग' नामक सिंचाई जल कर वसूल करता था, लेकिन कौटिल्य के अर्थशास्त्र के अनुसार यह कर दर जल निकालने के तंत्र के आधार पर कुल कृषि उपज का 1/5 से 1/3 भाग तक होती थी, न कि 1/10 से 1/6 भाग।

MCQ 124.

उत्तर: A

व्याख्या:

नेवासा: महाराष्ट्र (प्रवरा नदी घाटी) में स्थित ताम्रपाषाणकालीन स्थल।

इसामपुर: कर्नाटक में स्थित निम्न पुरापाषाणकालीन स्थल, जो एश्यूलियन औजारों से संबद्ध है।

दिडवाना: राजस्थान में स्थित पुरापाषाणकालीन स्थल।

गुडियम गुफाएं: तमिलनाडु में स्थित पुरापाषाणकालीन स्थल।

MCQ 125.

उत्तर: A

व्याख्या:

खिल बिना जुती हुई या बंजर भूमि को संदर्भित करता है। (खेती योग्य भूमि को 'क्षेत्र' कहा जाता था)।

अप्रहत जंगली या बिना जुती हुई वन भूमि को संदर्भित करता है। (रहने योग्य भूमि को 'वस्ति' कहा जाता था)।

MCQ 126.

उत्तर: A

व्याख्या:

अमरसिंह मुख्य रूप से एक महान प्राचीन व्याकरणविद्, कोशकार और भाषाविद् थे, न कि कोई नाटककार या कवि।

MCQ 127.

उत्तर: C

व्याख्या:

यद्यपि पारिस्थितिक परिवर्तनों ने भूमिका निभाई, लेकिन संरचनात्मक जल-वैज्ञानिक बदलावों—जैसे विवर्तनिक बदलावों के कारण प्रमुख नदी प्रणालियों के मार्ग बदलना, बार-बार आने वाली भीषण बाढ़ और बारहमासी घग्गर-हाकरा (सरस्वती) नदी प्रणाली का सूखना—ने हड़प्पा की शहरी बस्तियों को नष्ट होने पर मजबूर किया, जिसके कारण नागरिकों को पूर्व और दक्षिण की ओर पलायन करना पड़ा।

MCQ 128.

उत्तर: A

व्याख्या:

यूनानी (हिंद-यवन): लगभग दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व की शुरुआत में उत्तर-पश्चिमी सीमा पर आक्रमण किया (डेमेट्रियस और मिनेंडर जैसे शासकों के नेतृत्व में)।

शक (हिंद-सिथियन): पहली शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास यूनानियों के बाद भारत आए और अधिकांश क्षेत्रों में हिंद-यवन शासन को समाप्त कर दिया।

कुषाण (यूएझू कबीला): पहली शताब्दी ईस्वी के आसपास अपने साम्राज्य की स्थापना की, जो सम्राट कनिष्क के समय अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँचा।

MCQ 129.

उत्तर: B

व्याख्या:

हालांकि, कथन-II इस बात की व्याख्या नहीं करता है कि धर्म पर पुरोहितों का नियंत्रण क्यों हो गया; पुरोहिती प्रभुत्व का उदय जटिल सामाजिक-राजनीतिक पदानुक्रमों और वर्णों के संहिताकरण के कारण हुआ था।

MCQ 130.

उत्तर: B

व्याख्या:

फाहियान: 5वीं शताब्दी ईस्वी (399–414 ईस्वी)

ह्वेनसांग: 7वीं शताब्दी ईस्वी (629–645 ईस्वी)

इत्सिंग: 7वीं शताब्दी ईस्वी (671 ईस्वी)

अल-बिरूनी: 11वीं शताब्दी ईस्वी (1020 ईस्वी)

MCQ 131.

उत्तर: D

व्याख्या:

मौर्य काल के दौरान महत्वपूर्ण प्रांतों के राज्यपालों के रूप में 'कुमारों' को नियुक्त किया जाता था।

'राजुक' राजस्व संग्रह, प्रशासन और न्यायिक कार्यों के लिए जिम्मेदार महत्वपूर्ण अधिकारी थे, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में। अशोक ने उन्हें न्याय करने के पूर्ण अधिकार दिए थे।

MCQ 132.

उत्तर: B

व्याख्या:

अशोक के प्रमुख शिलालेख III के अनुसार, प्रादेशिक (मुख्य राजस्व संग्रहकर्ता और न्यायिक निरीक्षक), राजुक (ग्रामीण/सर्वेक्षण अधिकारी), और युक्त (अधीनस्थ सचिवीय या लेखा लिपिक) जिला स्तरीय प्रशासन में काम करने वाले मुख्य स्तंभ थे।

MCQ 133.

उत्तर: D

व्याख्या:

प्राचीन गणराज्य स्पष्ट रूप से कुलीनतंत्रीय प्रकृति के थे। सत्ता पूरी तरह से शासक क्षत्रिय कुलों (जैसे लिच्छवि या शाक्य) के एक छोटे, वंशानुगत परिषद के हाथों में केंद्रित थी।

MCQ 134.

उत्तर: A

व्याख्या:

नदी नौवहन बहुत प्रमुख था, और गंगा जैसी प्रमुख आंतरिक नदियों के किनारे विशिष्ट नदी बंदरगाह बड़े पैमाने पर काम कर रहे थे। प्रमुख अंतर्देशीय व्यावसायिक केंद्र महत्वपूर्ण पारगमन केंद्रों के रूप में कार्य करते थे जहाँ अंतर्राष्ट्रीय और स्थानीय उपभोक्ता वस्तुओं के भारी व्यापार का वस्तु-विनिमय किया जाता था, सूची बनाई जाती थी और कर लगाया जाता था।

MCQ 135.

उत्तर: C

व्याख्या:

धर्म मूल रूप से धार्मिक दायित्वों, नैतिक संहिताओं और स्वयं, परिवार व समाज के प्रति व्यक्तिगत कर्तव्यों का सामाजिक ढांचा था। ऋत ऋग्वैदिक धर्मशास्त्र में उस व्यापक ब्रह्मांडीय, नैतिक और भौतिक वैश्विक व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता था जो प्राकृतिक ब्रह्मांड (तारों, मौसमों, दिन और रात के चक्रों) को व्यवस्थित रूप से संरेखित रखती थी।

MCQ 136.

उत्तर: B

व्याख्या:

संगम काल का आर्थिक भूगोल इस प्रकार सुमेलित है:

कुरिंजी (पहाड़ी क्षेत्र): शिकार और शहद का संग्रह

मुल्लई (वन/चारवाहे क्षेत्र): दुग्ध उत्पाद (डेयरी उत्पाद)

मरुदम (उर्वर मैदान): कृषि

नेइथल (तटीय क्षेत्र): मछली पकड़ना और नमक उत्पादन

MCQ 137.

उत्तर: D

व्याख्या:

यारकंद (आधुनिक शिनजियांग, चीन के तारिम बेसिन में स्थित) मौर्य शासन के दायरे में नहीं आता था। मौर्यों की उत्तर-पश्चिमी सीमा हिंदू कुश और अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्सों तक ही सीमित थी। बहुत बाद में कुषाण वंश के दौरान सम्राट कनिष्क ने पामीर पहाड़ों के पार अपने प्रत्यक्ष सैन्य शासन का विस्तार करके खोतान, काशगर और यारकंद को जीता था।

MCQ 138.

उत्तर: B

व्याख्या:

हड़प्पा स्थल से मिली प्रसिद्ध मिट्टी की 'मातृदेवी' की मूर्ति में एक विस्तृत, पंखे के आकार का सिर का आभूषण जिसके दोनों ओर दो कप जैसी संरचनाएं बनी हैं, न कि उसके बाल केवल एक साधारण जूड़े में बंधे हुए हैं।

MCQ 139.

उत्तर: C

व्याख्या:

तीसरी शताब्दी ईस्वी के भारत में उन्नत आंतरिक अंग प्रत्यारोपण का न तो अभ्यास किया जाता था और न ही ऐसा कोई दस्तावेजी प्रमाण मिलता है।

MCQ 140.

उत्तर: D

व्याख्या:

पुलकेसिन द्वितीय के किसी सामंत द्वारा प्राकृत में रचित 'सप्तावतारम' नाम का कोई ऐतिहासिक कन्नड़ नाटक दर्ज नहीं है।

कथन II गलत है: ऐतिहासिक संस्कृत नाटक 'कौमुदी-महोत्सव' का श्रेय महिला नाटककार विज्जिका (अक्सर विजयंका के रूप में पहचानी जाने वाली) को दिया जाता है, जबकि रविकीर्ति वह प्रसिद्ध दरबारी कवि थे जिन्होंने पुलकेसिन द्वितीय के संस्कृत ऐहोल स्तंभ शिलालेख की रचना की थी।

MCQ 141.

उत्तर: D

व्याख्या:

मौर्य प्रशासन में, 'संस्था' शब्द विशेष रूप से उन स्थिर गुप्तचरों/जासूसों को संदर्भित करता था जो एक निश्चित स्थान या प्रतिष्ठान से काम करते थे। गतिमान (घूमने वाले) जासूसों को 'संचारी' कहा जाता था, जबकि वास्तविक पुलिस बल या कानून प्रवर्तन निकायों को 'रक्षिन' या 'चोररज्जुका' कहा जाता था।

MCQ 142.

उत्तर: C

व्याख्या:

सातवाहनों के महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्रों में प्रतिष्ठान (पैठन), तगर, अमरावती और नासिक शामिल थे। कल्याणा मुख्य रूप से बाद के पश्चिमी दक्कन व्यापार से जुड़ा था, यह सातवाहनों का प्रमुख केंद्र नहीं था।

MCQ 143.

उत्तर: D

व्याख्या:

हरिषेण की प्रयाग प्रशस्ति के अनुसार, समुद्रगुप्त ने दक्षिण भारत के 12 राजाओं के प्रति 'ग्रहण-मोक्ष-अनुग्रह' की नीति का पालन किया था। उसने उन्हें हराया ज़रूर था लेकिन उनके राज्यों को अपने साम्राज्य में नहीं मिलाया; उसने उनकी संप्रभुता स्वीकार करने और कर (tribute) देने के बदले में उन्हें मुक्त कर दिया और उनके सिंहासन वापस कर दिए थे।

MCQ 144.

उत्तर: C

व्याख्या:

हड़प्पा समाज धार्मिक प्रथाओं (मातृदेवी, पशुपति मुहर) के साक्ष्य दिखाता है, लेकिन कुछ बाद की सभ्यताओं की तरह धर्म वहां के सार्वजनिक जीवन पर पूरी तरह हावी नहीं था।

हड़प्पावासी कपास की खेती करने वाले सबसे शुरुआती लोगों में से थे; ग्रीक (यूनानी) लेखकों ने सिंध क्षेत्र के नाम पर कपास को "सिंडन" कहा था।

MCQ 145.

उत्तर: D

व्याख्या:

विनयधर: गणतांत्रिक राज्यों में सभा का पीठासीन अधिकारी/अध्यक्ष होता था।

शलाकाग्राहक: मतदान/चुनाव प्रक्रिया (मतदान की छड़ें एकत्र करने) के लिए जिम्मेदार अधिकारी था।

अष्टकुलिक: लिच्छवि प्रशासन में यह परिषद न्यायिक अधिकारियों के रूप में कार्य करती थी।

आसनप्रज्ञापक: विधानसभा में सीटों (आसनों) की व्यवस्था करने के लिए जिम्मेदार अधिकारी था।

MCQ 146.

उत्तर: C

व्याख्या:

सिमुक को पारंपरिक रूप से सातवाहन वंश का संस्थापक और इसके शुरुआती उदय का पर्याय माना जाता है, न कि पुलुमावी को।

MCQ 147.

उत्तर: C

व्याख्या:

हर्ष ने शशांक के साथ कोई गठबंधन नहीं किया था; वे कड़े दुश्मन थे। हर्ष ने अपने भाई राज्यवर्धन की हत्या का बदला लेने के लिए शशांक

के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किए थे। हालांकि, उसने वल्लभी के ध्रुवसेन द्वितीय के साथ एक वैवाहिक गठबंधन जरूर किया था।

MCQ 148.

उत्तर: A

व्याख्या:

हर्ष और गौड़ देश का राजा शशांक कट्टर शत्रु थे। हर्ष ने अपने भाई राज्यवर्धन की हत्या का प्रतिशोध लेने के लिए उसके खिलाफ युद्ध छेड़ा था, न कि कोई संधि या गठबंधन किया था।

MCQ 149.

उत्तर: C

व्याख्या:

कस्बों/शहरों का प्रशासन 'पुरपाल' या 'नगर अधिकृत' नामक अधिकारी द्वारा देखा जाता था। 'नगर श्रेष्ठि' कोई सरकारी अधिकारी नहीं था, बल्कि वह शहर के व्यापारी संघ का प्रमुख होता था जो सलाहकार परिषद में सेवा देता था।

MCQ 150.

उत्तर: B

व्याख्या:

विशेष रूप से वर्ण के आधार पर तैयार किए गए अलग-अलग पिंडों (पितरों को दिए जाने वाले चावल के गोले/अन्न) की अवधारणा बहुत बाद में उत्तर-वैदिक गृह्य सूत्रों और स्मृतियों में विकसित हुई थी, ऐतरेय ब्राह्मण में नहीं।

कथन II (गलत है): मैत्रायणी संहिता शूद्रों को आर्थिक और सामाजिक अभाव की स्थिति में चित्रित करती है (यह बताती है कि वे यज्ञ नहीं कर सकते), न कि वहां किसी "अमीर शूद्रों" पर प्रकाश डाला गया है।